आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 264 | उज्जैन, बुधवार 13 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी में पूरा मध्यप्रदेश होगा कृष्णमय-मुख्यमंत्री

प्रमुख मंदिरों एवं स्थानों के ऐतिहासिक-सांस्कृतिक महत्व को दर्शाया जायेगा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित स्थल एवं प्रदेश के प्रमुख मंदिरों और स्थानों के ऐतिहासिक-सांस्कृतिक महत्व को उजागर करते हुए राज्य सरकार 14 अगस्त को बलराम जयंती और हलधर महोत्सव एवं 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर श्रीकृष्ण पर्व एवं लीला पुरुषोत्तम का प्राकट्योत्सव का आयोजन करने जा रही है। इन आयोजनों के साथ सम्पूर्ण प्रदेश श्रीकृष्णमय हो जायेगा और सांस्कृतिक रंगों में रंगा नजर आयेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन अवसरों पर होने वाले कार्यक्रमों में सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है।

संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने बताया कि बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बलराम एवं श्रीकृष्ण प्रसंगों, उनके अवदान एवं लोक-कल्याणकारी जीवन गाथा से संबंधित साहित्यिक परिचर्चाओं, संवाद, मंदिरों में भजन, कीर्तन सांस्कृतिक दलों की प्रस्तुतियां आयोजित की जा रही हैं। साथ ही श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर जिला स्तर पर मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जा रहा है।

राज्य मंत्री श्री लोधी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण को उज्जैन में ज्ञान की प्राप्ति हुई, वहां स्थित सांदीपनी आश्रम में 16 से 18 अगस्त तक ''श्रीकृष्ण पर्व'' का आयोजन किया जा रहा है। इसमें पहले दिन विशाला सांस्कृतिक संस्थान, उज्जैन के कलाकारों द्वारा श्रीकृष्ण लीला, श्री अनुपम वानखेड़े, इंदौर द्वारा बांसुरी वादन और सुश्री स्वाति उखले, उज्जैन द्वारा भक्ति गायन की प्रस्तुति दी जायेगी। कार्यक्रम के दूसरे दिन 17 अगस्त को श्री अक्षय खरे, पन्ना द्वारा बरेदी लोकनृत्य, सुश्री कृष्णा वर्मा, उज्जैन द्वारा भक्ति गायन एवं विशाला सांस्कृतिक संस्थान उज्जैन द्वारा श्रीकृष्ण लीला की प्रस्तुति दी जायेगी। अंतिम दिन 18 अगस्त को श्री अविनाश धुर्वे, बैतूल द्वारा ठाठ्या लोकनृत्य, श्री रामचन्द्र गांगोलिया, उज्जैन द्वारा भक्ति गायन एवं विशाला सांस्कृतिक संस्थान, उज्जैन द्वारा श्रीकृष्ण लीला की प्रस्तुति दी जायेगी।

उज्जैन स्थित नारायणा धाम मंदिर प्रांगण में 14 से 18 अगस्त तक श्रीकृष्ण पर्व का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत श्रीकृष्ण नृत्य नाटिका - सुश्री संघरत्ना बनकर एवं साथी, भोपाल, भक्ति गायन - श्री अनमोल जैन एवं साथी, श्रीकृष्ण नृत्य नाटिका - संगीता शर्मा, दिल्ली, भक्ति गायन - श्री चरणजीत सिंह सौंधी, गणगौर लोकनृत्य - सुश्री अनुजा जोशी, खण्डवा, भक्ति गायन - श्री बाबूलाल सोलंकी, आगर-मालवा, भक्ति गायन -सुश्री श्रृद्धा जैन, दिल्ली, भक्ति गायन - श्री रवि त्रिपाठी एवं साथी, मुम्बई, श्रीकृष्ण नृत्य नाटिका - अर्घ्य कला समिति, भोपाल, श्रीकृष्ण नृत्य नाटिका - सुश्री सुकन्या नागदा एवं साथी, मुम्बई, भक्ति गायन - सुश्री कल्याणी सुगंधी एवं वाणी साठे, उज्जैन और रासलीला - श्री बलराम शर्मा, मथुरा द्वारा प्रस्तुत की जाएंगी।

नाले में बहा रहे थे जानलेवा केमिकल, पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा; 5 के खिलाफ केस दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में पुलिस ने खतरनाक केमिकल से लदे हुए 2 टैंकर जब्त किए हैं। इसी के साथ केमिकल कंपनी के निदेशक समेत 5 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। इन टैंकरों में जानलेवा रसायन का कचरा मौजूद था, जिसे एक नाले में बहाने की प्लानिंग थी।

मुंबई पुलिस के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर सैलेश साल्वी के अनुसार, रविवार की सुबह पुलिस पेट्रोलिंग कर रही थी। तभी भिवांडी में एक केमिकल कंपनी के पास 2 टैंकर खड़े मिले, जिन्हें जब्त कर लिया गया है।

टैंकर में क्या था- पुलिस के अनुसार, दोनों टैंकरों में कैल्शियम हाईपोक्लोराइट सॉल्युशन (जिसका इस्तेमाल ब्लीच में किया जाता है) मिला। इसका कुल वजन 17,720 किलोग्राम था। टैंकरों में भरा मलबा पालघर के वाडा में स्थित केमिकल कंपनी का था।

सैलेश साल्वी ने बताया- पुलिस ने केमिकल कंपनी सीज कर ली है। सीज की गई प्रॉपर्टी की कुल कीमत 10,72,600 रुपये है।

कितना हो सकता है खतरनाक- पुलिस का कहना है कि टैंकर के ड्राइवर और कर्मचारी ने पहले ही 2,000 किलो केमिकल वेस्ट नाले में डाल दिया था, जिससे पानी प्रदूषित हो गया।

जस्टिस वर्मा के महाभियोग की प्रक्रिया शुरू, स्पीकर ओम बिरला ने बनाई 3 सदस्यीय कमेटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। और एक कमेटी के गठन का एलान किया है। इसी के साथ जस्टिस वर्मा के महाभियोग की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला द्वारा गठित तीन सदस्यीय कमेटी में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरविंद कुमार, मद्रास हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता वीबी आचार्य शामिल हैं।

स्पीकर ने कहा कि मुझे यह प्रस्ताव नियमों के अनुरूप मिला है जिसके बाद मैंने इस कमेटी का गठन किया है।

क्या है पूरा मामला- 14 मार्च, 2025 को जस्टिस यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास में आग लगी थी, आग बुझाने पहुंचे दमकल कर्मियों को आउट हाउस में अधजले नोट मिले थे, लेकिन इस बात का खुलासा कई दिनों बाद हुआ था। ये खुलासा होने के तुरंत बाद कोलेजियम ने आनन-फानन में बैठक बुलाकर उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर करने का निर्णय ले लिया।

जेल की सजा काट रहे दोषियों पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश, रिहाई के लिए नहीं करनी होगी अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेल की सजा काट रहे कैदियों के लिए सुप्रीम कोर्ट से राहत की खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि सजा पूरी होने के बाद किसी को भी जेल में नहीं रखा जाएगा और उन्हें जल्द से जल्द रिहा कर दिया जाएगा।

वर्तमान व्यवस्था में सजा पूरी होने के बाद कैदियों को रिहाई की अपील करनी पड़ती है, जिसके चलते उन्हें अतिरिक्त समय तक जेल में रहना पड़ता है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि सजा पूरी होने पर कैदी बिना किसी अपील के जेल से बाहर आ सकते हैं।

सभी राज्यों को दिया आदेश

सुप्रीम कोर्ट में दो जजों की बेंच जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस बीवी नागरत्न ने एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों को आदेश दिया है कि जेलों का निरीक्षण करके सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का पालन किया जाए।

क्या है पूरा मामला- दरअसल सुखदेव यादव उर्फ पहलवान नामक कैदी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। पहलवान को दिल्ली के बिजनेसमैन नितिश कटारा के मर्डर केस (2002) में 20 साल की सजा सुनाई गई थी। 9 मार्च को पहलवान की सजा पूरी हो गई और उसने रिहाई की अर्जी डाली। हालांकि, रिव्यू बोर्ड ने उसकी अर्जी खारिज कर दी, जिसके बाद पहलवान ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सर्वोच्च न्यायालय ने 29 जुलाई को पहलवान को जेल से रिहा करने का आदेश दिया था।

ये बेजुबान जीव कोई समस्या नहीं..., आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर राहुल गांधी का रिएक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते दिन सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों पर फैसला सुनाया था, जिसपर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रतिक्रिया दी है। दिल्ली एनसीआर से सभी कुत्तों को हटाने पर राहुल गांधी का कहना है कि बेजुबान जानवर कभी कोई समस्या नहीं हो सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर किया है। राहुल गांधी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला पीछे ले जाने वाला कदम है।

राहुल गांधी ने क्या कहा- राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में लिखा, दिल्ली एनसीआर से सारे आवारा कुत्ते हटाने का आदेश मानव और विज्ञान को कई दशकों पीछे ले जाएगा। यह बेजुबान आत्माएं कभी समस्या नहीं हो सकते, जिन्हें मिटाया जा सके। बिना किसी ज्यादती के आवारा कुत्तों को पनाह देने, वैक्सीनेशन करवाने और कम्युनिटी केयर की मदद से गलियों को सुरक्षित रखा जा सकता है।

राहुल गांधी ने आगे कहा- आवारा कुत्तों को पूरी तरह से हटाना एक क्रूर कदम है, जो किसी भी रूप में दूरदर्शी नहीं है। हमें सार्वजनिक सुरक्षा और जानवरों के कल्याण को एक-साथ लेकर चलना होगा।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश- बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आदेश दिया था कि 8 महीने के भीतर दिल्ली एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाया जाए। इसे लेकर लोगों के अलग-अलग रिएक्शन सामने आ रहे हैं।

कार्गो विमान के इंजन में लगी आग, पायलट की सूझबूझ से हुई सुरक्षित लैंडिंग

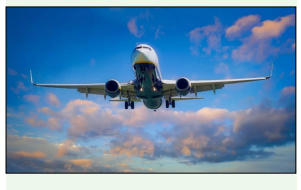

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई में मंगलवार, 12 अगस्त को एक कार्गो विमान के इंजन में अचानक आग गई। पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए विमान को सुरक्षित लैंड करा लिया। विमान के उतरने के बाद सुरक्षाकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ।

मिली जानकारी के अनुसार, ये विमान मलेशिया के कुलालुंपुर शहर से आ रहा था। लैंडिंग के दौरान कार्गो विमान के चौथे इंजन में आग लग गई, जिसके बाद पायलटों ने संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दी।

ट्रंप के टैरिफ का प्रभाव कैसे होगा कम? मोदी सरकार ने बताया अपना पूरा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में कुछ सीमा रेखाओं को पार नहीं किया जा सकता और वह अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च टैरिफ के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए निर्यात विविधीकरण रणनीति के तहत केंद्रित प्रयास कर रही है।

सूत्रों के अनुसार, भारत ने उम्मीद जताई है कि अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता जारी रहेगी, भले ही उसने रूसी तेल की खरीद के कारण निर्यात पर टैरिफ 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है।

विदेश सचिव ने दिए सुझाव- सूत्रों ने बताया कि विदेश मामलों की संसद की स्थायी समिति को दिए गए ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सुझाव दिया कि भारत, पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर द्वारा नई दिल्ली को परमाणु धमकी देने के लिए अमेरिका की जमीन के इस्तेमाल का मुद्दा उसके समक्ष उठाएगा।मिसरी और वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता वाली समिति के सदस्यों को अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता और टैरिफ के बारे में जानकारी दी। भारत में 25 अगस्त से शुरू होने वाली अगले दौर की वार्ता को लेकर अनिश्चितता के बीच यह जानकारी दी गई।

कठिन दौर से गुजर रहा व्यापार संबंध- ब्रीफिंग का हवाला देते हुए एक सूत्र ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध %कठिन दौर% से गुजर रहे हैं और सरकार इससे निपटने के लिए कदम उठा रही है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि टैरिफ का मुद्दा सुलझने तक भारत के साथ कोई व्यापार वार्ता नहीं होगी।

किन उद्योगों पर पड़ेगा असर- सूत्रों ने शीर्ष सरकारी अधिकारियों की ब्रीफिंग का हवाला देते हुए कहा कि ऑटो, कपड़ा, चमड़ा और रत्न एवं आभूषण जैसे कुछ उद्योगों पर अमेरिका के उच्च टैरिफ का खासा असर पड़ने की संभावना है।

अगर तेल नहीं है टैरिफ की असली वजह तो भारत से क्या चाहता है अमेरिका? रूसी मीडिया ने बताई सच्चाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिया है। ट्रंप का आरोप है कि भारत रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन संग जारी जंग में रूस की मदद कर रहा है। भारत या तो रूस से तेल खरीदना बंद करे, नहीं तो भविष्य में कई और प्रतिबंध देखने को मिल सकते हैं। रूस की मीडिया में यह मुद्दा खासा गरम है।

रूसी मीडिया में बहस हो रही है कि क्या भारत अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में आकर रूस से दूरी बना लेगा, क्या ट्रंप में वास्तव में रूस से तेल खरीदने के चलते भारत से खफा हैं या कोई और मुद्दा है।

रशियन गवर्नमेंट न्यूज एजेंसी तास ने 9 अगस्त को पॉलिटिकल और इंटरनेशनल एक्सपर्ट से बातचीत पर आधारित एक खबर लिखी। जिसमें रूस की सुरक्षा परिषद में वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के सदस्य एंड्रयू सुशेनत्सोव से पूछा कि क्या इंडिया डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में आकर रूस से नाता तोड़ सकता है

सुशेनत्सोव ने जवाब दिया- इंडिया डोनाल्ड ट्रंप या ट्रंप के टैरिफ के दबाव में आकर कभी भी अमेरिकी विदेश नीति पर नहीं चल सकता है। यह अमेरिकी नीति भारत के मामले में हमेशा नाकाम रही है। इसलिए यह डोनाल्ड ट्रंप का यह टैरिफ वाला दबाव ज्यादा समय तक नहीं चलेगा। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के चलते भारत पर टैरिफ दोगुना कर दिया है, यह सच नहीं है। भारत पर अमेरिकी दबाव का कारण कुछ और है।

दरअसल, जनसंख्या के मामले में इंडिया दुनिया में शीर्ष पर है। प्रगति भी तेजी से कर रहा है। इधर अमेरिका चीन पर शिकंजा कसने के लिए भारत को अपना रणनीतिक साझेदार के तौर पर देखता है।

पाकिस्तानी आर्मी चीफ की ये हरकत शर्मनाक असीम मुनीर को लेकर ब्रिटिश लेखक ने क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटिश पॉलिटिकल कमेंटेटर और लेखक डेविड वेंस ने पाकिस्तानी आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर की परमाणु धमकियों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें बेहद निंदनीय और शर्मनाक करार दिया।

एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा, पाकिस्तानी आर्मी चीफ की ये टिप्पणियां बेहद निंदनीय और शर्मनाक हैं। भारत पर हमला करने और परमाणु हथियारों को एक्सचेंज करने जैसी बातें कहना एक तरह का पागलपन है। मुनीर को इस तरह की टिप्पणियों की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए।

वेंस ने कहा वो चाहेंगे कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ तब तक राजनयिक संबंध तोड़ दे जब तक कि वह एक सभ्य देश की तरह व्यवहार न करने लगे, जो उसने लंबे समय से नहीं किया है।

वेंस ने मुनीर की टिप्पणियों पर अमेरिकी सरकार की प्रतिक्रिया की आलोचना करते हुए कहा कि वाशिंगटन को और कड़ी प्रतिक्रिया देनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन को उससे कहीं ज्यादा कड़ी प्रतिक्रिया देनी चाहिए थी। जिस तरह की टिप्पणी अमेरिकी धरती से की गई है वो जानबूझकर किया गया अपमान लगती है।

उन्होंने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि अमेरिका या राष्ट्रपति ट्रंप इसे क्यों बर्दाश्त करते हैं? ऐसा लगता है कि पाकिस्तान को लगता है कि वे ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर जो चाहें कह सकते हैं।

गोल्ड पर नहीं लगेगा टैरिफ..., भारत और रूस से तल्खी के बीच ट्रंप ने दी गुड न्यूज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते भारत और ब्राजील समेत कई देशों पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगाने का फरमान सुनाया था। ट्रंप के आदेश के बाद से ही सोने के आयात पर सस्पेंस बना था। वहीं, ट्रंप ने साफ कर दिया है कि गोल्ड को टैरिफ वॉर से बाहर रखा जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि सोने पर टैरिफ नहीं लगेगा।

पिछले एक हफ्ते से कयास लगाए जा रहे थे कि सोने पर टैरिफ लगेगा या नहीं। कस्टम और सीमा सुरक्षा विभाग ने भी सोने पर भारी टैरिफ लगने का अंदेशा जताया था। सोने पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगने की अफवाहों से इसकी कीमतों में भारी उछाल देखने को मिल रहा था।

हालांकि, ट्रंप ने खुद पोस्ट शेयर करते हुए सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है। ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा, सोने पर टैरिफ नहीं लगेगा। ट्रंप ने इससे ज्यादा अन्य कोई भी जानकारी साझा नहीं की। ट्रंप की इस पोस्ट के बाद अब सोने की कीमतों में कमी आ सकती है। बता दें कि ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने का हवाला देते हुए भारत समेत कई देशों पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है।

दाने-दाने को तरस रहे गाजावासियों पर बरस रही गोलियां, IDF ने Gaza में बरपाया कहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली सेना लगातार गाजा में बमबारी कर रही है। सोमवार को हुई सैन्य कार्रवाई में गाजा शहर में 11 लोगों की मौत हो गई। इजरायल का लक्ष्य है कि गाजा में इजरायली सैनिक का नियंत्रण हो।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि हमारा मकसद गाजा पर कब्जा नहीं, बल्कि उसको हमास से आजाद कराना है। तभी यह कार्रवाई खत्म होगी।

भुखमरी के शिकार हो रहे गाजावासी- एक तरफ जहां इजरायली सेना गाजा में जबरदस्त बमबारी कर रही है। वहीं, दूसरी ओर वहां के लोग भुखमरी के शिकार हो चुके हैं।

बमबारी, नाकाबंदी की वजह से वहां न तो कोई अन्न भंडार पहुंच पा रहा है और न ही कोई जरूरी सुविधा गाना वासियों को मिल पा रही है। ताजा जानकारी के मुताबिक, युद्ध की शुरुआत से लेकर अब तक गाजा में 61430 लोगों की मौत हो चुकी है।

बलूच लिबरेशन आर्मी का क्या है पाकिस्तान कनेक्शन? जिसे अमेरिका ने घोषित किया आतंकी संगठन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने बलूच लिबरेशन आर्मी और उसकी विंग मजीद ब्रिगेड को विदेश आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब राष्ट्रपति ट्रंप पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बढ़ा रहे हैं।

अमेरिका के इस कदम के बाद विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक बयान में कहा, यह कदम आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि हमने 2019 में कई आतंकवादी हमलों के बाद बीएलए को एक विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी घोषित किया था। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपने बयान में कहा, 2019 के बाद से, बीएलए ने मजीद ब्रिगेड सहित कई अन्य हमलों की जिम्मेदारी ली है।

बीएलए ने कई हमलों की जिम्मेदारी ली- मार्को रुबियो- उन्होंने कहा कि बीएलए ने 2024 में कराची हवाई अड्डे और ग्वादर बंदरगाह परिसर के पास आत्मघाती हमलों की जिम्मेदारी ली थी। मार्च 2025 में क्वेटा से पेशावर जाने वाली जाफर एक्सप्रेस ट्रेन के अपहरण की जिम्मेदारी बीएलए ने ली थी, जिसमें 31 नागरिक और सुरक्षाकर्मी मारे गए थे और 300 से ज्यादा यात्री बंधक बनाए गए थे।

विदेश विभाग द्वारा लिया गया एक्शन आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए ट्रंप प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

रुबियो ने कहा- उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को नामित करना इस खतरे के खिलाफ अमेरिका की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और आतंकवादी गतिविधियों के लिए समर्थन को सीमित करने का एक प्रभावी तरीका है।

हमारे पास कोई विकल्प नहीं..., असीम मुनीर के बाद बिलावल भुट्टो की गीदड़भभकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान लगातार भारत को युद्ध की धमकियां दे रहा है। पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर के बाद अब बिलावल भुट्टो ने ऑपरेशन सिंदूर और सिंधु जल समझौते पर भारत को गीदड़भभकी देना शुरू कर दिया है। बिलावल भुट्टो ने कबूल किया है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान का बड़ा नुकसान किया है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पूरे पाकिस्तान को एकजुट होने का राग अलापा है।

पीपीपी पार्टी के अध्यक्ष और पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री रहे बिलावल भुट्टो ने भारत को धमकी देते हुए कहा कि अगर भारत सिंधु जल समझौते को रद रखेगा तो पाकिस्तान के पास युद्ध लड़ने के अलावा कोई और चारा नहीं बचेगा।

पाकिस्तान की आवाम को भड़काते हुए बिलावल भुट्टो ने कहा- आप लोग युद्ध लड़कर सभी 6 नदियों का पानी फिर से हासिल कर सकते हैं। अगर भारत अपने इरादे पर डटा रहा, तो हमारे पास युद्ध के सिवाए कोई विकल्प नहीं बचेगा।

भाषण में दिखा ऑपरेशन सिंदूर का खौफ- ऑपरेशन सिंदूर पर बात करते हुए बिलावल भुट्टो ने कहा, ÷हमने युद्ध शुरू नहीं किया था। लेकिन अगर आप ऑपरेशन सिंदूर की तरह हमपर हमला करेंगे, तो पाकिस्तान के हर राज्य के लोग आपके खिलाफ युद्ध लड़ने के लिए तैयार हैं और आप पक्का यह युद्ध हार जाएंगे।

हाल ही में अमेरिका दौरे के दौरान पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर ने परमाणु बम की धमकी देते हुए कहा था कि पाकिस्तान कई देशों को ले डूबेगा।

पाकिस्तानी सेना ने 50 विद्रोहियों को मार गिराया, अफगानिस्तान बॉर्डर पर 4 दिनों से जारी है ऑपरेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान सेना ने अफगानिस्तान बॉर्डर पर जारी ऑपरेशन में 50 विद्रोहियों को मार गिराया है। पाकिस्तान की सेना ने मंगलवार, 12 अगस्त को बताया कि उसने पड़ोसी देश अफगानिस्तान से लगी सीमा पर बीते चार दिनों में 50 उग्रवादियों को मार गिराया है।

पाकिस्तानी सेना ने यह कार्रवाई अशांत दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में की गई है, जो चीन की परियोजना वन बेल्ट वन रोड का प्रमुख केंद्र है। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ये सभी उग्रवादी गुरुवार को बलूचिस्तान में शुरू हुए एक अभियान में मारे गए हैं।

पाकिस्तानी सेना के मुताबिक, बलूचिस्तान में उग्रवादी और अलगाववादी विद्रोही, दोनों ही सक्रिय हैं, जो प्रांत की खनिज संपदा में से एक बड़े हिस्से की मांग कर रहे हैं।

आईएसपीआर की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मारे गए विद्रोहियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए हैं।

उन्होंने आगे कहा, सुरक्षा बल देश की सीमाओं की सुरक्षा और पाकिस्तान की शांति, स्थिरता और प्रगति में बाधा डालने के कोशिश को विफल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हालांकि, सेना का कहना है कि हालिया घुसपैठ का प्रयास बलूचिस्तान प्रांत में हुआ, जो बलूच अलगाववादियों द्वारा लंबे समय से चल रहे विद्रोह की जगह है।

प्रियंका गांधी पर क्यों भड़का इजरायल? कहा- हमास के आंकड़ों पर भरोसा न करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में फिलिस्तीन का बैग लेकर पहुंची प्रियंका गांधी ने एक बार फिर गाजा पर टिप्पणी करते हुए इजरायल की आलोचना की है। मगर, इस बार इजरायल ने प्रियंका पर पलटवार करते हुए उनपर सवाल खड़े किए हैं।

भारत में इजरायल के राजदूत रियूवेन अजार ने प्रियंका गांधी के पोस्ट पर जवाब देते हुए कुछ तथ्य प्रस्तुत किए हैं। इसी के साथ इजरायल ने प्रियंका से हमास के आंकड़ों पर भरोसा न करने की अपील की है।

इजरायल ने दिया जवाब- प्रियंका की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत में इजरायली राजदूत रेयूवेन अजार ने इसे शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा, ÷इजरायल ने 25,000 से ज्यादा हमास के आतंकियों को भी मारा है। हमास की कायरतापूर्ण तरीकों के कारण आम लोगों को इसकी कीमत चुकानी पड़ी है। हमले के समय हमास आम लोगों के बीच छिप जाता है। वो लोगों पर रॉकेट दागता है।

इजरायली राजदूत के अनुसार, इजरायल ने गाजा में 2 मिलियन टन खाना भेजा, जिसे हमास ने जब्त कर लिया और गाजा में भुखमरी फैल गई। गाजा की आबादी पिछले 50 साल में 450 प्रतिशत बढ़ी है। वहां कोई नरसंहार नहीं हुआ। हमास के आंकड़ों पर ध्यान न दें।

प्रियंका ने गाजा के पक्ष में दिया बयान- दरअसल प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए इजरायल पर नरसंहार करने का आरोप लगाया था। प्रियंका ने अपनी पोस्ट में लिखा, ÷इजरायल ने 60,000 से ज्यादा लोगों को मौत के घाट उतार दिया, जिसमें 18,430 बच्चे भी शामिल हैं। गाजा में बच्चों समेत कई लोग भूखे मर रहे हैं।

तमिल कवि ने भगवान राम पर की आपत्तिजनक टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिल गीतकार और कवि वैरामुथु के एक बयान से बवाल शुरू हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन पर हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया है।

एक कार्यक्रम में बोलते हुए कवि वैरामुथु ने कंब रामायण (दक्षिण भारत में प्रचलित महाकाव्य) का जिक्र करते हुए कहा कि भगवान राम अपनी पत्नी, देवी सीता से अलग होने के बाद अपना विवेक खो बैठे थे।

वैरामुथु ने कहा, देवी सीता से अलग होने के बाद, भगवान राम अपने सुध बुध खो गए थे, उन्हें पता ही नहीं था कि वे क्या कर रहे हैं। इसलिए भारतीय दंड संहिता की धारा 84 के तहत, मानसिक अस्थिरता के कारण किसी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य अपराध नहीं माना जाता है। वैरामुथु ने कहा, कंबन को भले ही कानून का ज्ञान न हो, लेकिन वे समाज और मानव मन को जानते थे। उन्होंने आगे कहा, राम को पूरी तरह से बरी कर दिया गया है, माफ कर दिया गया है, जिससे राम एक इंसान बन गए हैं और कंबन दिव्य। इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता सीआर केसवन ने एक्स पर पोस्ट किया, वैरामुथु रामासामी पवित्र हिंदू देवताओं का अपमान करने और हिंदू धर्म का घोर दुरुपयोग करने के मामले में एक घृणित और बार-बार अपराध करने वाले व्यक्ति हैं।

बिहार में रद होगा SIR? SC ने कहा- अगर ये बात सच निकली तो सितंबर तक लग जाएगी रोक

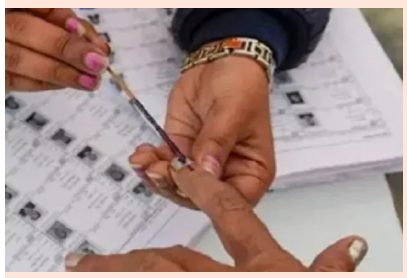

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर संसद से सड़क तक विपक्ष का विरोध प्रदर्शन जारी है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने SIR को लेकर एक बड़ी टिप्पणी की है।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर बिहार मतदाता सूची में अवैधता साबित हो जाती है, तो स्ढुक्र के परिणामों को सितंबर तक रद किया जा सकता है।

बता दें, सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग की मतदाता पुन- सत्यापन प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई, जो बिहार में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले हो रही है।

याचिककर्ताओं ने उठाए सवाल- सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने इस प्रक्रिया के संवैधानिक आधार पर सवाल उठाया और कहा कि चुनाव आयोग जिसने नागरिकता साबित करने के लिए दस्तावेजों की मांग की थी, उसके पास इस मामले पर निर्णय लेने का अधिकार नहीं है।

याचिकाकर्ताओं ने क्या तर्क दिया- याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि नागरिकता का मामला भारत सरकार खासकर केंद्रीय गृह मंत्रालय का अधिकार क्षेत्र है। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग कहता है कि नागरिकता तय करने के लिए आधार पर्याप्त नहीं है, लेकिन उनके पास नागरिकता तय करने का अधिकार नहीं है।

बेंगलुरु में सनसनीखेज वारदात! सो रही नर्सिंग छात्रा पर धारदार हथियार से हमला, हाउस हेल्पर ने क्यों किया लहूलुहान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। नर्सिंग की एक छात्रा अपने रिश्तेदार के घर गई। उसने पूरे परिवार के साथ डिनर किया और रात में उन्हीं के घर रुकने का फैसला किया। छात्रा रात में सो रही थी, तभी घर में काम करने वाली हाउस हेल्पर ने छात्रा पर धारदार हथियार से वार कर दिया। उसने पहला वार छात्रा के चेहरे पर किया और दूसरा कंधे पर। छात्रा बुरी तरह से लहूलुहान थी। उसने रिश्तेदारों को आवाज लगाई, लेकिन किसी के कानों तक उसकी आवाज नहीं पहुंच सकी और छात्रा बेहोश हो गई।

क्या है पूरा मामला- यह मामला कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु का है। पीड़िता का नाम सुष्मिता है, जो मल्लेश्वरम के बसप्पा गार्डन स्थित अपने रिश्तेदार के यहां गई थी। घर में वेणुगोपाल अपनी पत्नी सरोजम्मा के साथ रहते हैं। वेणुगोपाल रिटायर सरकारी कर्मचारी हैं। उनके बड़े से घर में 45 वर्षीय हाउस हेल्पर ललिता भी रहती थी।

सुष्मिता शनिवार की रात को वेणुगोपाल के घर आई। सभी ने साथ बैठकर डिनर किया और सुष्मिता ने रात यहीं बिताने का फैसला किया। जानकारी के अनुसार, सुष्मिता लगातार ललिता के काम पर सवाल उठा रही थी, जो ललिता को अच्छा नहीं लगा। ललिता को बेज्जती महसूस हुई और वो चिल्ला पड़ी कि मुझे एक छोटी बच्ची से कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है।

आधी रात को किया हमला- सुष्मिता घर की चौथी मंजिल पर बने कमरे में सोने चली गई। वेणुगोपाल और सरोजम्मा सबसे निचले फ्लोर पर सो रहे थे। रात को लगभग 1 बजे ललिता धारदार हथियार लेकर सुष्मिता के पास गई और उसपर एक के बाद एक वार करना शुरू कर दिया। सुष्मिता मदद के लिए चिल्लाई, लेकिन उसकी आवाज नीचे तक नहीं पहुंच सकी। सुष्मिता बेहोश हो गई और उसे 3 बजे होश आया।

सुष्मिता की आवाज सुनकर सरोजम्मा ऊपर पहुंची तो उसे लहूलुहान देखकर घबरा गई। सुष्मिता को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया।

दिल्ली में आवारा कुत्तों तो मुंबई में कबूतरों पर विवाद... अदालत के फैसले का पशु अधिकार कार्यकर्ता क्यों कर रहे विरोध?

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के दो महानगरों, दिल्ली और मुंबई में इन दिनों आवारा कुत्तों और कबूतरों पर घमासान मचा हुआ है। दरअसल, दिल्ली में आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक सख्त आदेश सुनाया है। वहीं, मुंबई में कबूतरों को दाना खिलाने पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने पाबंदी लगा दी है।

सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों को हटाने और उन्हें डॉग शेल्टर में रखने का आदेश दिया है। हालांकि, कोर्ट के फैसलों का कुछ लोग स्वागत कर रहे हैं तो कुछ आलोचनाओं के सुर भी सुनाई दे रहे हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने इस फैसले को अव्यावहारिक बताया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में करीब तीन लाख से ज्यादा आवारा कुत्ते हैं। उन सभी को शेल्टर होम में रखने में 15,000 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। दिल्ली सरकार के लिए यह संभव नहीं है। कोर्ट का यह फैसला पशुओं के अधिकारों की अनदेखी है।

उन्होंने आगे कहा कि पकड़े गए कुत्तों को खिलाने में ही हर हफ्ते करीब 5 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जो जनता के गुस्से को भड़का सकता है। इतना ही नहीं डेढ़ लाख लोग देखरेख के लिए भी चाहिए।

राहुल गांधी ने भी फैसला पर जताया दुख- सुप्रीम कोर्ट के फैसला का राहुल गांधी ने भी विरोध किया है। उन्होंने कहा कि शेल्टर्स, नसबंदी, वैक्सीनेशन और कम्युनिटी केयर ही सड़कों को सुरक्षित रख सकती है। एक झटके में सामूहिक तौर पर कुत्तों को हटाने का कदम क्रूर, अदूरदर्शी है।

दूसरी ओर बॉम्बे हाईकोर्ट के कबूतरों को दाना खिलने पर रोक संबंधी फैसला का जैन समाज और अन्य पक्षी प्रेमी ने विरोध जाहिर किया है। इन लोगों का मानना है कि कबूतरों को दाना खिलाना धर्म का हिस्सा है। कबूतरों को दाना ना खिलाना बेजुबान पक्षियों के साथ क्रूरता है।

एक जैन मुनि ने कहा कि कुछ लोग बकरे का बलि देते हैं, वह उनका धर्म है। हम अपने धर्म का पालन करना चाहते हैं।

आप चुनाव आयोग की पावर को चुनौती दे रहे हैं? SC के सवाल पर सिब्बल बोले- तर्क बिल्कुल यही और समय बहुत कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में याचिकाकर्ताओं की तरफ से वकील कपिल सिब्बल ने दलीलें पेश कीं। इस दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने उनसे पूछा कि क्या वह एसआईआर करने की चुनाव आयोग की पावर को चुनौती दे रहे हैं? अगर ऐसी कोई पावर मौजूद नहीं है तो फिर बहस करने के लिए और कुछ नहीं है।

सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने जनवरी 2023 के संशोधन के बाद नए एसआईआर की जरूरत पर सवाल उठाए और कहा कि जब बिहार में आखिरी गहन संशोधन किया गया था तो नागरिकता साबित करने के लिए किसी भी सहायक दस्तावेज के बिना केवल गणना फॉर्म भरने की जरूरत क्यों? इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा कि अगर जनवरी 2023 में ही संशोधन किया जा चुका था तो अब विशेष गहन संशोधन की जरूरत क्यों?

इस पर सिब्बल जवाब देते हैं कि याचिकाकर्ताओं का तर्क बिल्कुल यही है। उन्होंने आगे कहा कि अगर इस प्रक्रिया के दौरान किसी का नाम मतदाता सूची से बाहर हो जाता है, तो बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में उसका नाम बहाल करने के लिए बहुत कम समय होगा।

जस्टिस कांत ने टिप्पणी की कि आवश्यक दस्तावेज किसी व्यक्ति को राज्य का वास्तविक निवासी साबित करते हैं और एक बार ये दस्तावेज दिखा दिए जाने के बाद, यह दायित्व चुनाव आयोग पर आ जाता है। इस पर सिब्बल ने कहा कि बिहार में अधिकांश लोगों के पास आधार कार्ड होने के बावजूद, बूथ स्तर के अधिकारी इसे नागरिकता के प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल पंचमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

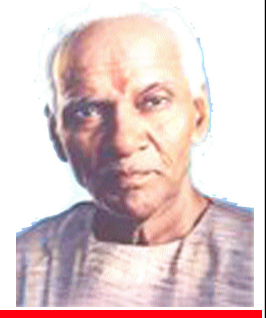

संपादकीय

ग्रीन डिवाइड की अवधारणा पर्यावरणीय लाभों और बोझ के असमान वितरण को संदर्भित करती है

ग्रीन डिवाइड की अवधारणा पर्यावरणीय लाभों और बोझ के असमान वितरण को संदर्भित करती है। यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि कुछ समुदाय, अक्सर जो कम आय वाले या हाशिए पर होते हैं, वे हरे रंग की पहल (जैसे पार्क, स्वच्छ ऊर्जा, और टिकाऊ) के लाभों तक कम पहुंच रखते हुए पर्यावरणीय क्षरण (जैसे प्रदूषण और हरे स्थानों की कमी) के नकारात्मक परिणामों को असंगत रूप से सहन करते हैं। बुनियादी ढांचा)। सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन यह सुनिश्चित करके इस विभाजन को पाटने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है कि हरित परियोजनाएं न केवल पर्यावरण की दृष्टि से बल्कि सामाजिक रूप से समान हैं। यहां बताया गया है कि SIA इसे कैसे पूरा करता है:- ग्रीन डिवाइड को ब्रिजिंग में एसआईए की भूमिका 1.। असमानताओं की पहचान करना और उन्हें संबोधित करना:- एसआईए एक परियोजना के संभावित सामाजिक परिणामों की व्यवस्थित रूप से पहचान करता है, दोनों सकारात्मक और नकारात्मक। यह यह जांचने के लिए पर्यावरणीय मैट्रिक्स से परे है कि एक परियोजना एक समुदाय के भीतर विभिन्न समूहों को कैसे प्रभावित करेगी। हरित परियोजनाओं के लिए, इसका अर्थ है मूल्यांकन:-

संसाधनों तक पहुंच:- क्या परियोजना, जैसे कि एक नया पार्क या हरा स्थान, सभी निवासियों के लिए सुलभ होगा, या इससे संकरण और विस्थापन होगा?

आर्थिक प्रभाव:- क्या बिजली के वाहनों की तरह हरी प्रौद्योगिकियों में संक्रमण, सभी के लिए नई नौकरियां और अवसर पैदा करेगा, या यह मौजूदा उद्योगों में श्रमिकों को नुकसान पहुंचाएगा?

स्वास्थ्य और कल्याण- क्या एक नया ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट किसी विशिष्ट क्षेत्र में प्रदूषण को कम करेगा, या यह पर्यावरण के बोझ को एक अलग, अधिक कमजोर समुदाय में बदल देगा? 2.। सामुदायिक सगाई और भागीदारी को बढ़ावा देना:- एसआईए का एक प्रमुख सिद्धांत प्रभावित समुदायों को निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल करना है। यह एक टोकन प्रयास नहीं है, बल्कि एक वास्तविक साझेदारी है जो निवासियों को अपनी चिंताओं और सह-डिजाइन परियोजनाओं को आवाज देने का अधिकार देती है।

सहभागी दृष्टिकोण अपनाकर, स्ढ्ढ यह सुनिश्चित करता है कि- स्थानीय ज्ञान मान्य है:- समुदायों को अपनी जरूरतों और स्थानीय वातावरण की गहरी समझ है। एसआईए परियोजना योजना को सूचित करने के लिए इस ज्ञान के लिए एक मंच प्रदान करता है।

शिकायतें सुनी जाती हैं:- स्ढ्ढ समुदाय के सदस्यों के लिए एक परियोजना के लिए शिकायतों और संभावित विरोध को व्यक्त करने के लिए एक औपचारिक प्रक्रिया प्रदान करता है, जो शीर्ष-डाउन कार्यान्वयन को रोकता है जिससे सामाजिक अशांति और अविश्वास पैदा हो सकता है।

परियोजनाएं सामुदायिक प्राथमिकताओं को दर्शाती हैं:- जब समुदाय शामिल होते हैं, तो अंतिम परियोजना उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने की अधिक संभावना होती है, चाहे वह सस्ती आवास हरे क्षेत्रों में एकीकृत हो, या स्थानीय गतिविधियों और संस्कृति को समायोजित करने वाले हरे स्थान। 3। लाभ और बोझ के समान वितरण सुनिश्चित करना:- एसआईए यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि हरित परियोजनाओं के लाभों को समान रूप से वितरित किया जाए और नकारात्मक प्रभावों को कम से कम और कम किया जाए। इसमें शामिल हो सकते हैं:-

उचित मुआवजा और पुनर्वास:- उन परियोजनाओं के लिए जिन्हें भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता होती है, एसआईए गारंटी देता है कि प्रभावित व्यक्तियों और समुदायों को उचित मुआवजा और उचित पुनर्वास पैकेज प्राप्त होते हैं।

अहिल्याबाई होल्कर

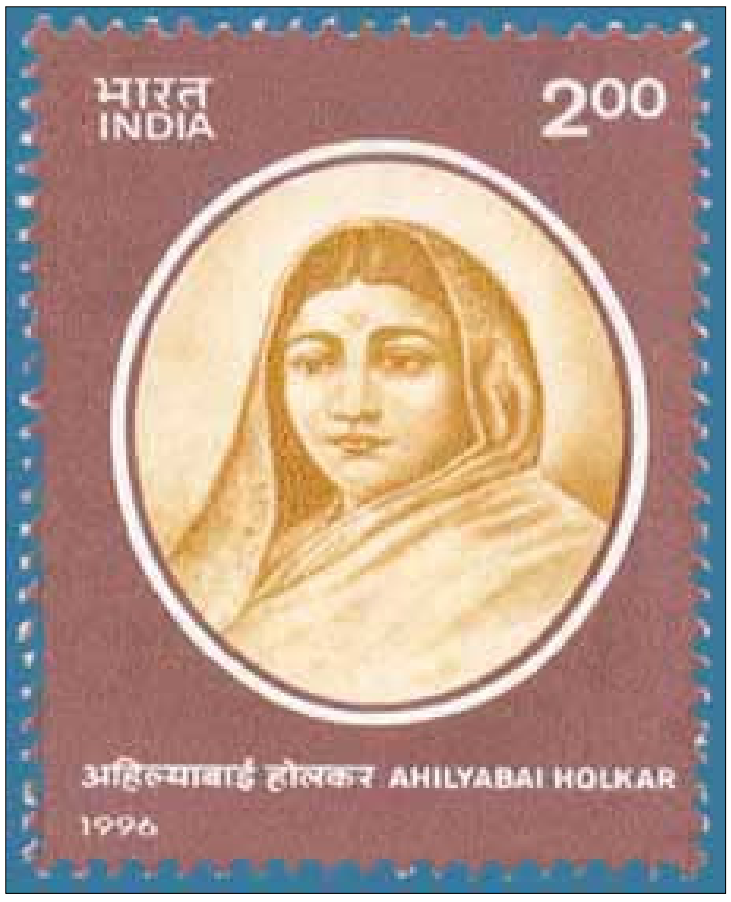

महारानी अहिल्याबाई होल्कर मल्हारराव होल्कर के पुत्र खंडेराव की पत्नी थीं। अहिल्याबाई किसी बड़े राज्य की रानी नहीं थीं, लेकिन अपने राज्य काल में उन्होंने जो कुछ किया वह आश्चर्यचकित करने वाला है। वह एक बहादुर योद्धा और कुशल तीरंदाज थीं। उन्होंने कई युद्धों में अपनी सेना का नेतृत्व किया और हाथी पर सवार होकर वीरता के साथ लड़ीं।

जीवन परिचय

अहिल्याबाई का जन्म 31 मई सन् 1725 में हुआ था। अहिल्याबाई के पिता मानकोजी शिंदे एक मामूली किंतु संस्कार वाले आदमी थे। इनका विवाह इन्दौर राज्य के संस्थापक महाराज मल्हारराव होल्कर के पुत्र खंडेराव से हुआ था। सन् 1745 में अहिल्याबाई के पुत्र हुआ और तीन वर्ष बाद एक कन्या। पुत्र का नाम मालेराव और कन्या का नाम मुक्ताबाई रखा। उन्होंने बड़ी कुशलता से अपने पति के गौरव को जगाया। कुछ ही दिनों में अपने महान् पिता के मार्गदर्शन में खण्डेराव एक अच्छे सिपाही बन गये। मल्हारराव को भी देखकर संतोष होने लगा। पुत्र-वधू अहिल्याबाई को भी वह राजकाज की शिक्षा देते रहते थे। उनकी बुद्धि और चतुराई से वह बहुत प्रसन्न होते थे। मल्हारराव के जीवन काल में ही उनके पुत्र खंडेराव का निधन 1754 ई. में हो गया था। अतः मल्हार राव के निधन के बाद रानी अहिल्याबाई ने राज्य का शासन-भार सम्भाला था। रानी अहिल्याबाई ने 1795 ई. में अपनी मृत्यु पर्यन्त बड़ी कुशलता से राज्य का शासन चलाया। उनकी गणना आदर्श शासकों में की जाती है। वे अपनी उदारता और प्रजावत्सलता के लिए प्रसिद्ध हैं। उनके एक ही पुत्र था मालेराव जो 1766 ई. में दिवंगत हो गया। 1767 ई. में अहिल्याबाई ने तुकोजी होल्कर को सेनापति नियुक्त किया।

निर्माण कार्य

रानी अहिल्याबाई ने भारत के भिन्न-भिन्न भागों में अनेक मन्दिरों, धर्मशालाओं और अन्नसत्रों का निर्माण कराया था। कलकत्ता से बनारस तक की सड़क, बनारस में अन्नपूर्णा का मन्दिर , गया में विष्णु मन्दिर उनके बनवाये हुए हैं। इन्होंने घाट बँधवाए, कुओं और बावड़ियों का निर्माण करवाया, मार्ग बनवाए, भूखों के लिए सदाव्रत (अन्नक्षेत्र) खोले, प्यासों के लिए प्याऊ बिठलाई, मंदिरों में विद्वानों की नियुक्ति शास्त्रों के मनन-चिंतन और प्रवचन हेतु की। उन्होंने अपने समय की हलचल में प्रमुख भाग लिया। रानी अहिल्याबाई ने इसके अलावा काशी, गया, सोमनाथ, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार, द्वारिका, बद्रीनारायण, रामेश्वर, जगन्नाथ पुरी इत्यादि प्रसिद्ध तीर्थस्थानों पर मंदिर बनवाए और धर्म शालाएं खुलवायीं। कहा जाता है कि रानी अहिल्याबाई के स्वप्न में एक बार भगवान शिव आए। वे भगवान शिव की भक्त थीं और इसलिए उन्होंने 1777 में विश्व प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण कराया।

शिव जी की भक्त

उनका सारा जीवन वैराग्य, कर्त्तव्य-पालन और परमार्थ की साधना का बन गया। भगवान शिव की वह बड़ी भक्त थीं। बिना उनके पूजन के मुँह में पानी की बूंद नहीं जाने देती थीं। सारा राज्य उन्होंने शंकर को अर्पित कर रखा था और आप उनकी सेविका बनकर शासन चलाती थी। संपति सब रघुपति के आहि–सारी संपत्ति भगवान की है, इसका भरत के बाद प्रत्यक्ष और एकमात्र उदाहरण शायद वही थीं। राजाज्ञाओं पर हस्ताक्षर करते समय अपना नाम नहीं लिखती थीं। नीचे केवल श्री शंकर लिख देती थीं। उनके रुपयों पर शंकर का लिंग और बिल्व पत्र का चित्र अंकित है ओर पैसों पर नंदी का। तब से लेकर भारतीय स्वराज्य की प्राप्ति तक इंदौर के सिंहासन पर जितने नरेश उनके बाद में आये सबकी राजाज्ञाऐं जब तक की श्रीशंकर आज्ञा जारी नहीं होती, तब तक वह राजाज्ञा नहीं मानी जाती थी और उस पर अमल भी नहीं होता था। अहिल्याबाई का रहन-सहन बिल्कुल सादा था। शुद्ध सफ़ेद वस्त्र धारण करती थीं। जेवर आदि कुछ नहीं पहनती थी। भगवान की पूजा, अच्छे ग्रंथों को सुनना ओर राजकाज आदि में नियमित रहती थी।

शांति और सुरक्षा की स्थापना

शासन की बागडोर जब अहिल्याबाई ने अपने हाथ में ली, राज्य में बड़ी अशांति थी। चोर, डाकू आदि के उपद्रवों से लोग बहुत तंग थे। ऐसी हालत में उन्होंने देखा कि राजा का सबसे पहला कर्त्तव्य उपद्रव करने वालों को काबू में लाकर प्रजा को निर्भयता और शांति प्रदान करना है। उपद्रवों में भीलों का ख़ास हाथ था। उन्होंने दरबार किया और अपने सारे सरदारों और प्रजा का ध्यान इस ओर दिलाते हुए घोषणा की–जो वीर पुरुष इन उपद्रवी लोगों को काबू में ले आवेगा, उसके साथ मैं अपनी लड़की मुक्ताबाई की शादी कर दूँगी। इस घोषणा को सुनकर यशवंतराव फणसे नामक एक युवक उठा और उसने बड़ी नम्रता से अहिल्याबाई से कहा कि वह यह काम कर सकता है। महारानी बहुत प्रसन्न हुई। यशवंतराव अपने काम में लग गये और बहुत थोड़े समय में उन्होंने सारे राज्य में शांति की स्थापना कर दी। महारानी ने बड़ी प्रसन्नता और बड़े समारोह के साथ मुक्ताबाई का विवाह यशवंतराव फणसे से कर दिया।

इसके बाद अहिल्याबाई का ध्यान शासन के भीतरी सुधारों की तरफ गया। राज्य में शांति और सुरक्षा की स्थापना होते ही व्यापार-व्यवसाय और कला-कौशल की बढ़ोत्तरी होने लगी और लोगों को ज्ञान की उपासना का अवसर भी मिलने लगा। नर्मदा के तीर पर महेश्वरी उनकी राजधानी थी। वहाँ तरह-तरह के कारीगर आने लगे ओर शीघ्र ही वस्त्र-निर्माण का वह एक सुंदर केंद्र बन गया।

राज्य के विस्तार को व्यवस्थित करके उसे तहसीलों और ज़िलों में बाँट दिया गया ओर प्रजा की तथा शासन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तहसीलों और ज़िलों के केंद्र क़ायम करके जहाँ-जहाँ आवश्यकता प्रतीत हुई, न्यायालयों की स्थापना भी कर दी गई। राज्य की सारी पंचायतों के काम को व्यवस्थित किया और न्याय पाने की सीढियाँ बना दी गई। आख़िरी अपील मंत्री सुनते थे। परंतु यदि उनके फैसले से किसी को संतोष न होता तो महारानी खुद भी अपील सुनती थी।

सेनापति के रूप में

मल्हारराव के भाई-बंदों में तुकोजीराव होल्कर एक विश्वासपात्र युवक थे। मल्हारराव ने उन्हें भी सदा अपने साथ में रखा था और राजकाज के लिए तैयार कर लिया था। अहिल्याबाई ने इन्हें अपना सेनापति बनाया और चौथ वसूल करने का काम उन्हें सौंप दिया। वैसे तो उम्र में तुकोजीराव होल्कर अहिल्याबाई से बड़े थे, परंतु तुकोजी उन्हें अपनी माता के समान ही मानते थे और राज्य का काम पूरी लगन ओर सच्चाई के साथ करते थे। अहिल्याबाई का उन पर इतना प्रेम और विश्वास था कि वह भी उन्हें पुत्र जैसा मानती थीं। राज्य के काग़ज़ों में जहाँ कहीं उनका उल्लेख आता है वहाँ तथा मुहरों में भी खंडोजी सुत तुकोजी होल्कर इस प्रकार कहा गया है।

महिला सशक्तीकरण की पक्षधर

भारतीय संस्कृति में महिलाओं को दुर्गा और चण्डी के रूप में दर्शाया गया है। ठीक इसी तरह अहिल्याबाई ने स्त्रियों को उनका उचित स्थान दिया। नारीशक्ति का भरपूर उपयोग किया। उन्होंने यह बता दिया कि स्त्री किसी भी स्थिति में पुरुष से कम नहीं है। वे स्वयं भी पति के साथ रणक्षेत्र में जाया करती थीं। पति के देहान्त के बाद भी वे युध्द क्षेत्र में उतरती थीं और सेनाओं का नेतृत्व करती थीं। अहिल्याबाई के गद्दी पर बैठने के पहले शासन का ऐसा नियम था कि यदि किसी महिला का पति मर जाए और उसका पुत्र न हो तो उसकी संपूर्ण संपत्ति राजकोष में जमा कर दी जाती थी, परंतु अहिल्या बाई ने इस क़ानून को बदल दिया और मृतक की विधवा को यह अधिकार दिया कि वह पति द्वारा छोड़ी हुई संपत्ति की वारिस रहेगी और अपनी इच्छानुसार अपने उपयोग में लाए और चाहे तो उसका सुख भोगे या अपनी संपत्ति से जनकल्याण के काम करे। अहिल्या बाई की ख़ास विशेष सेवक एक महिला ही थी।

राम मंदिर, वैष्णो देवीज्इत्यादि, कितनी है कमाई और कितना देते हैं टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रसिद्ध मंदिरों में हर दिन भारी मात्रा में दान चढ़ता है। इसकी गिनती करना भी मुश्किल है। हर दिन यहां कई लोग घूमने आते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है, इन स्थानों की कितनी कमाई होती है और ये सरकार को कितना टैक्स देते हैं। आइए जानते हैं।

राम मंदिर- बीते समय बीजेपी सरकार द्वारा राम मंदिर का फिर से निर्माण किया गया है। इसे जनता के लिए महल जैसा भव्य बनाया गया। आज इस मंदिर की हर दिन हजारों श्रद्धालु आते हैं। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो राम मंदिर की ओर से पिछले पांच सालों में सरकार को 400 करोड़ रुपये टैक्स दिया गया है। इसमें से 270 करोड़ रुपये केवल जीएसटी था।

तिरुमाला मंदिर- इस मंदिर को देश का सबसे अमीर मंदिर भी कहा जाता है। ये अनुमान है कि साल 2014 में मंदिर ने 700 करोड़ रुपये की कमाई की थी। पिछले साल नवंबर 2024 में ये मंदिर सुर्खियों में बना हुआ था। क्योंकि मंदिर की ओर से पिछले सात साल से टैक्स नहीं भरा जा रहा था। इसका मूल्य 1.57 करोड़ रुपये था। इसके लिए सरकार की ओर से मंदिर को नोटिस भेजा गया था।

वैष्णो मंदिर- वैष्णो मंदिर भी देश के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। ये अमीर मंदिरों की लिस्ट में भी शामिल हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में चढ़ावे से मंदिर को 255 करोड़ रुपये मिले, ये कर मुक्त है। वहीं 133 करोड़ रुपये मंदिर को ब्याज से मिले।

वहीं अगर वित्त वर्ष 2021 से अब तक यानी पांच सालों में मंदिर की ओर से 130 करोड़ रुपये जीएसटी के रूप में दिए गए हैं।

मंदिरों पर कैसे लगता है टैक्स- 'टैक्स नियम के अनुसार प्रसाद और धार्मिक समारोह जीएसटी से मुक्त होते हैं। तिरुमाला और वैष्णो मंदिर इससे एक तिहाई से ज्यादा कमाते हैं। ये किराया मंदिर के पास मौजूद दुकान और कमरे से लिया जाता है। अगर मंदिर के पास मौजूद कमरे का शुल्क 1,000 रुपये से अधिक है और सामुदायिक हॉल या खुले क्षेत्र का शुल्क 10,000 रुपये से अधिक है, तो इसके किराये पर जीएसटी लगती है।

बाजार का असली मल्टीबैगर साबित हुआ ये शेयर, हर दिन बढ़ा इसमें पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर मार्केट में मल्टीबैगर स्टॉक्स की कमी नहीं है, जिन्होंने लंबी अवधि में जबरदस्त पैसा कमाकर दिया है। इसी लिस्ट में गोल्डियम इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयरों का नाम भी शामिल है। डायमंड बिजनेस का काम करने वाली इस कंपनी के शेयर पैसा छापने की मशीन साबित हुए हैं। दरअसल, इस शेयर ने साल दर साल और पिछले 5 सालों में निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। करीब 30 साल पुरानी कंपनी गोल्डियम इंटरनेशनल लिमिटेड, ग्लोबल रिटेलर्स के लिए सोने और हीरे के आभूषणों के निर्माण करती है और उन्हें निर्यात करती है। 3954 करोड़ के मार्केट कैप वाली इस कंपनी के शेयर मल्टीबैगर स्टॉक साबित हुए हैं।

हर दिन और साल का धांसू रिटर्न- गोल्डियम इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयरों का 5 साल का एवरेज रिटर्न करीब 74 फीसदी रहा है, और इस साल अब तक यह शेयर 81 फीसदी तक रिटर्न डिलीवर कर चुका है। एक और खास बात यह है कि अगर इस रिटर्न को प्रतिदिन के हिसाब से कैलकुलेट किया जाए तो एवरेज डे रिटर्न 0.92 फीसदी बैठता है यानी हर दिन इस स्टॉक ने एक फीसदी का रिटर्न दिया है।

गोल्डियम इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयर 12 अगस्त को साढ़े 3 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं।

आ गए लड़ाकू विमान बनाने वाली महारत्न कंपनी के नतीजे, Q1 में ऑपरेशन सिंदूर के समय HAL ने कितना पैसा कमाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के लिए तेजस जैसे हल्के लड़ाकू विमान बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयरों में तेज रिकवरी देखने को मिली है। दरअसल, एचएएल ने FY26 की पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इसके बाद कंपनी के शेयरों में निचले स्तर से खरीदारी आई है। 12 अगस्त को सुबह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयर 4467 रुपये के स्तर पर खुले और गिरकर 4325 रुपये के लेवल पर पहुंच गए, लेकिन एचएएल के शेयरों ने क्लोजिंग 4409 रुपये के स्तर पर दी। तिमाही नतीजे आने के बाद कंपनी के शेयरों में नीचे स्तर से खरीदारी लौटी।

कैस रहे एचएएल के क्ता रिजल्ट- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स ने Q1 में 1,377 करोड़ रुपये का स्टैंडलोन नेट प्रॉफिट दर्ज किया है। यह वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के 1,436 करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ से 4% कम है। वहीं, कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 11% बढ़कर 4,819 करोड़ रुपये रहा। इस तिमाही में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स ने मजबूत ऑपरेशनल परफॉर्मेंस की सूचना दी, क्योंकि कंपनी का EBITDA इस अवधि में 990 करोड़ से 30% बढ़कर 1,282 करोड़ हो गया है।

शेयरों में थम गई तेजी की रफ्तार- मई में पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य संघर्ष के दौरान एचएएल समेत कई सरकारी डिफेंस कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली थी, लेकिन जुलाई में रक्षा क्षेत्र की कंपनियों के स्टॉक्स में मुनाफावसूली हावी रही।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयरों ने पिछले एक महीने में करीब 10 फीसदी का नेगेटिव रिटर्न दिया है, जबकि 6 महीने में शेयर 23 फीसदी तक चढ़ गए हैं। पिछले 5 सालों में एचएएल के शेयरों ने 580 फीसदी तक रिटर्न डिलीवर किया है।

सरकारी खजाने में आए 6.64 लाख करोड़, शेयर ट्रेडर्स से लेकर हिंदू अविभाजित परिवारों और कंपनियों ने इसलिए दिया पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी खजाने में वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 6.64 लाख करोड़ रुपये की भारी भरकम रकम आई। ये पैसा नेट डायरेक्ट टैक्स के जरिए आया है। नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन चालू वित्त वर्ष में अब तक 3.95 प्रतिशत घटकर 6.64 लाख करोड़ रुपये रहा। टैक्स कलेक्सन में कमी का कारण रिफंड का अधिक होना है। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।कितना रहा नेट कंपनी टैक्स कलेक्शन

डायरेक्ट टैक्स में कंपनियों, व्यक्तियों, प्रोफेशनल्स और अन्य संस्थाओं की इनकम पर टैक्स शामिल हैं। नेट कंपनी टैक्स कलेक्शन लगभग 2.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि नॉन-कंपनी टैक्स (जिसमें व्यक्ति, हिंदू अविभाजित परिवार और कंपनी शामिल हैं) कलेक्शन 4.12 लाख करोड़ रुपये रहा।

कितना हो गया रिफंड- आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 11 अगस्त के बीच सिक्योरिटीज ट्रांजेक्शन टैक्स कलेक्शन 22,362 करोड़ रुपये रहा। शुद्ध रूप से कलेक्शन 3.95 प्रतिशत घटकर लगभग 6.64 लाख करोड़ रुपये रहा, जो कि पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की इसी अवधि में 6.91 लाख करोड़ रुपये था।

चालू वित्त वर्ष में अब तक जारी किया गया रिफंड 10 प्रतिशत बढ़कर 1.35 लाख करोड़ रुपये रहा।

सेमीकंडक्टर सेक्टर में बड़ा कदम, चार नई परियोजनाओं को मिली मंजूरी; इन राज्यों में होगा 4594 करोड़ निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चार नई सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि चार नई सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। जैसा कि पहले ही 6 परियोजनाएं पहले ही स्वीकृत हैं और आज इसमें चार नई परियोजनाएं जोड़ी गई हैं। ये ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पंजाब में हैं। इन पर 4,594 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

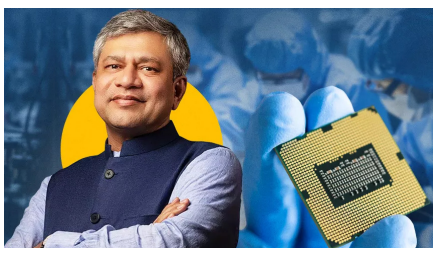

सरकार ने कहा कि SiCSem, कॉन्टिनेंटल डिवाइस इंडिया, 3D ग्लास सॉल्यूशंस और एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज टेक्नोलॉजीज की परियोजनाओं से अनुमानित 2,034 स्किल बेस्ड नौकरियां और कई अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होंगी।

इसके साथ, मिशन के अंतर्गत परियोजनाओं की कुल संख्या बढ़कर 10 हो गई है, जो छह राज्यों में लगभग 1.60 लाख करोड़ रुपये के निवेश को दिखाती है।

SiCSem और 3D ग्लास ओडिशा में अपनी सुविधाएँ स्थापित करेंगे, CDIL पंजाब में विस्तार करेगा और ASIP आंध्र प्रदेश में निर्माण करेगा।

SiCSem, ब्रिटेन स्थित Clas-SiC वेफर फैब के साथ मिलकर भारत का पहला कॉमर्शियल कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब बनाएगा। 3डी ग्लास सॉल्यूशंस एक आधुनिक पैकेजिंग और एम्बेडेड ग्लास सब्सट्रेट प्लांट का निर्माण करेगा, जबकि एएसआईपी दक्षिण कोरिया की एपीएसीटी के साथ मिलकर सेमीकंडक्टर पैकेज तैयार करेगा। सीडीआईएल के विस्तार से हाई पावर वाले उपकरणों का उत्पादन करेगा।

सरकार ने कहा कि ये परियोजनाएं दूरसंचार, ऑटोमोटिव, डेटा सेंटर, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक क्षेत्रों में बढ़ती मांग को समर्थन देंगी, जिससे उसके आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा मिलेगा।

बांग्लादेश पर टैरिफ से भागे थे अंबानी के इस कंपनी के शेयर, अब क्यों हो रहे हैं धड़ाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुकेश अंबानी की टेक्सटाइल कंपनी आलोक इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट का दौर जारी है। कारण है ट्रंप का टैरिफ। जुलाई के महीने में अमेरिका राष्ट्रपति ने बांग्लादेश से अमेरिका निर्यात होने वाले सामान पर 35 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इस घोषणा के बाद आलोक इंडस्ट्रीज के शेयरों में तेजी आई थी। लेकिन अब गेम बदल गया है। कंपनी के शेयर 20 रुपये के नीचे ट्रेड कर रहे हैं।

इस खबर को लिखते समय आलोक इंडस्ट्रीज के शेयर 17.9 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। वहीं, इससे पहले जुलाई में इसके शेयरों में तेजी देखी गई थी।

क्यों गिर रहे अंबानी की आलोक इंडस्ट्रीज के शेयर- बांग्लादेश कपड़ों का एक बड़ा निर्यातक रहा है। ऐसे में जब ट्रंप ने उस पर 35 फीसदी का टैरिफ लगाया तो भारतीय कंपनियों के लिए दरवाजे खुले थे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

बुरहानपुर में महाराष्ट्र के दो हथियार तस्कर देसी पिस्टलों के साथ गिरफ्तार

बुरहानपुर। अवैध हथियार निर्माण के लिए कुख्यात पाचोरी गांव से दो देसी पिस्टल लेकर लौट रहे महाराष्ट्र के दो तस्करों को खकनार पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तस्करों की पहचान विशाल वावरे 25 वर्ष और भावेश बौद्ध 38 वर्ष निवासी सोनाजी नगर थाना सोनाला महाराष्ट्र के रूप में की गई है। पुलिस ने उन्हें मुखबिर की सूचना पर पांगरी मार्ग स्थित माता नदी के पास से गिरफ्तार किया है।

तस्कर जिस बाइक से आए थे, उसे भी जब्त किया गया है। थाना प्रभारी अभिषेक जाधव ने बताया कि दस अगस्त की शाम यह कार्रवाई की गई थी। आरोपितों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। उनसे हथियार देने वाले सिकलीगर और महाराष्ट्र में इनके खरीददारों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी ने अवैध हथियारों के निर्माण और तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही सिकलीगरों को अवैध हथियारों का व्यवसाय छोड़ कर समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपित विशाल का पुराना आपराधिक रिकार्ड है। उसके खिलाफ महाराष्ट्र के बुलढाणा, जलगांव और अमरावती में चोरी, नकबजनी, दुष्कर्म आदि के पांच केस पहले से दर्ज हैं। संभवत- फिर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए उसने पिस्टलें खरीदी थीं। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अभिषेक जाधव के अलावा एएसआई तारक अली, प्रधान आरक्षक अमित अवस्थी, मेलसिंह सोलंकी, सतीष सुर्यवंशी, अजय अजनारे, आरक्षक मंगल पालवी, जितेन्द्र चौहान की सराहनीय भूमिका रही है।

खकनार क्षेत्र के पाचोरी गांव में अवैध रूप से पिस्टल निर्माण और उन्हें देश के अन्य राज्यों में सप्लाई करने का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रही है। इसका प्रमाण लगातार पुलिस द्वारा पकड़ी जा रही पिस्टलें हैं। खकनार पुलिस ने बीते डेढ़ साल में आर्म्स एक्ट के 17 प्रकरण दर्ज किए हैं। इनमें 126 देसी पिस्टल बरामद की गई हैं और 43 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में 16 सिकलीगर, मप्र के आठ आरोपित और अन्य राज्यों के 19 आरोपित शामिल थे। सूत्रों की मानें तो ऐसी कई खेपें पुलिस की आंख में धूल झोंक कर दूसरे राज्यों तक पहुंचाई जा चुकी हैं।

पिता व पुत्र ने नौवीं के छात्र का काटा कान

भोपाल । जहांगीराबाद क्षेत्र स्थित चर्च रोड पर रविवार रात एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जब नौवीं कक्षा के छात्र पर उसके नाबालिग दोस्त और दोस्त के पिता ने पेपर कटर से हमला कर दिया। हमला छात्र के कान के ऊपर हुआ, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि उसका कान पूरी तरह से कटने से बच गया। फिलहाल घायल का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

चेन को लेकर शुरू हुआ था विवाद-जहांगीराबाद पुलिस के अनुसार पीड़ित और आरोपी नाबालिग एक ही मदरसे में पढ़ते थे। कुछ दिन पहले आरोपित ने छात्र को तांबे की चेन दी थी, लेकिन बाद में किसी बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया।

इसी रंजिश के चलते रविवार रात चर्च रोड पर दोनों का आमना-सामना हुआ। आरोपित नाबालिग और उसके पिता जावेद ने चेन वापस मांगते हुए बहस शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर दोनों ने मिलकर छात्र पर पेपर कटर से हमला कर दिया।

हमले में घायल छात्र को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी बाप-बेटे की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही दोनों को गिरफ्तार किया जाएगा।

शहडोल में सोन नदी में बहे युवक की मौत, रेस्क्यू टीम को पत्थरों में फंसा मिला शव

शहडोल। जिले के जैसिंहनगर थाना क्षेत्र के ग्राम कौवासरई निवासी 22 वर्षीय सूरज यादव की सोमवार को सोन नदी में डूबने से मौत हो गई। मंगलवार सुबह उसका शव कई किलोमीटर दूर पत्थरों में फंसा मिला। बारिश के कारण नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है, जिससे हादसों का खतरा बढ़ गया है।

नहाते समय तेज बहाव में बहा युवक-जानकारी के अनुसार सूरज यादव ग्राम निगाही स्थित सोन नदी के घाट पर नहाने गया था। नहाते समय वह अचानक तेज बहाव में बह गया और गहरे पानी में डूब गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

रेस्क्यू टीम ने किया शव बरामद-सूचना पर जैसिंहनगर पुलिस और एसडीआरईएफ की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

प्रशासन की चेतावनी-जिला प्रशासन ने वर्षा के मौसम में नदी-नालों के जलस्तर बढ़ने पर सावधानी बरतने की अपील की है। लोगों से गहरे पानी में न उतरने और नदी-नालों से दूर रहने की हिदायत दी गई है।

13 रिजॉर्ट और होटलों में सोवेनियर शॉप खोलेगा पर्यटन विकास निगम

ग्वालियर। मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम ने क्षेत्रीय कला को बढ़ावा देने का निर्णय लिया है। यही कारण है कि प्रदेश के ऐतिहासिक शहरों, पर्यटन व चर्चित स्थलों पर अब सोवेनियर शॉप खोली जाएंगी। इसके लिए प्रथम चरण में 13 स्थानों को चुना गया है, जहां मौजूद रिजॉर्ट और होटलों में ये शॉप खोली जाएंगी। इनमें ग्वालियर, पचमढ़ी, ओंकारेश्वर, मांडू, गांधी सागर, उज्जैन, रीवा, खजुराहो, पन्ना, शहडोल, जबलपुर, कान्हा व सीधी को शामिल किया गया है।

प्रदेश की कला अन्य राज्यों के पर्यटकों के बीच प्रचारित इन स्थानों पर पर्यटन विकास निगम के रिजॉर्ट व होटलों में अलग से इन दुकानों को तैयार किया जाएगा। क्षेत्रीय कलाकारों की कलाकृतियों को इन सोवेनियर शॉप पर बिक्री के लिए रखा जाएगा। इससे रोजगार सृजन भी होगा, साथ ही प्रदेश की कला भी अन्य राज्यों के पर्यटकों के बीच प्रचारित-प्रसारित होगी।प्रशिक्षण सत्र के माध्यम से अपडेट कराया जाएगा

इन सोवेनियर शॉप का संचालन पर्यटन विकास निगम ही करेगा, लेकिन उससे पहले कलाकारों को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआइडी) के विशेषज्ञों के माध्यम से प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।

मथुरा दर्शन की चाह में रेल टिकट की जंग, नहीं चलीं स्पेशल ट्रेनें

भोपाल । जन्माष्टमी पर्व नजदीक आते ही भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ रेलवे स्टेशनों पर उमड़ पड़ी है। भोपाल से मथुरा जाने वाली लगभग सभी ट्रेनों में आरक्षण की सभी सीटें पहले से ही बुक हो चुकी हैं।

कई ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट सैकड़ों के पार पहुंच गई है, जबकि 11 ट्रेनों में रिग्रेट की स्थिति है यानी वेटिंग टिकट भी उपलब्ध नहीं है। तत्काल टिकट पाने की कोशिश भी नाकाम हो रही है, जिससे यात्रियों को बसों और निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ रहा है, लेकिन वहां भी किराए में इजाफा और भीड़ की समस्या बनी हुई है। 14 में से 11 ट्रेनों में रिग्रेट

रेलवे सूत्रों के अनुसार भोपाल से मथुरा जाने वाली 14 ट्रेनों में 11 ट्रेनों में रिग्रेट और 3 में लंबी वेटिंग लिस्ट है। झेलम एक्सप्रेस, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, सचखंड एक्सप्रेस, अंडमान एक्सप्रेस और ग्रैंड ट्रंक एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनों में एक भी सीट उपलब्ध नहीं है। कुछ ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट थर्ड एसी और स्लीपर दोनों में 40 से 50 के पार पहुंच चुकी है। इसके बावजूद रेलवे ने अब तक कोई स्पेशल ट्रेन नहीं चलाई है।

स्थिति इतनी गंभीर है कि जनरल कोच में क्षमता से दोगुने यात्री सफर कर रहे हैं। गोंडवाना और मालवा एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों के जनरल डिब्बों में पैर रखने की भी जगह नहीं है। यात्री फर्श पर बैठने या दरवाजे के पास खड़े होने को मजबूर हैं। कई यात्रियों का कहना है कि भीड़ इतनी है कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है।

सीट न मिलने से मजबूर यात्री बसों और निजी वाहनों का सहारा ले रहे हैं। लेकिन यहां भी भीड़ और किराए में वृद्धि से यात्रियों की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। यात्रियों का कहना है कि भीड़ को देखते हुए रेलवे को पहले से तैयारी करनी चाहिए थी।

पश्चिम मध्य रेलवे के जोनल उपयोगकर्ता एवं सलाहकार समिति के सदस्य निरंजन वाधवानी ने कहा कि जन्माष्टमी पर मथुरा जाने वाले यात्रियों की संख्या हर साल बढ़ती है। ऐसे में रेलवे को स्पेशल ट्रेनें चलानी चाहिए और कुछ ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़ने चाहिए, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी न हो।

इंदौर में 13 अगस्त को हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के तहत निकलेगी विशाल रैली

इंदौर जिले में सभी कार्यालय प्रमुख निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों के पोषण स्तर में सुधार के लिए करेंगे मदद

इंदौर। इंदौर में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत लगातार विभिन्न गतिविधियां और कार्यक्रमों का आयोजन व्यापक स्तर पर हो रहा है। इसी के तहत इंदौर में 13 अगस्त को विशाल रैली निकाली जायेगी। इस रैली में समाज के हर वर्ग की भागीदारी रहेगी। जिले में क्षय नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सभी कार्यालय प्रमुख निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों के पोषण स्तर में सुधार आदि में मदद करेंगे।

यह जानकारी आज कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई समय-सीमा (टीएल) के पत्रों के निराकरण एवं अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक में दी गई। बैठक में जिले में संचालित शासकीय योजनाओं, अभियान तथा शासन के निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी परियोजना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर श्री गौरव बैनल, जिला पंचायत सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर. पी. अहिरवार, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, श्रीमती निशा डामोर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के तहत 13 अगस्त को निकाली जाने वाली रैली की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में निर्देश दिए गए कि हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। अभियान के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशानुसार 15 अगस्त तक लगातार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जायें। व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित की जाये। बैठक में बताया गया कि 13 अगस्त को विशाल रैली आयोजित होगी। इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी रहेगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने समाज के हर वर्ग से इस रैली में पूर्ण उत्साह और उमंग के साथ शामिल होने की अपील की है।

बैठक में बताया गया कि जिले में क्षय नियंत्रण कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिले को टीबी से मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं। इसी के तहत निक्षय मित्र योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। अब इस योजना से सभी शासकीय विभाग के कार्यालय प्रमुख भी जुड़ेंगे। वे निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों के पोषण स्तर में सुधार के लिए स्वेच्छा से सहभागी बनेंगे। यह योजना पूरी तरह स्वैच्छिक है और इसके तहत 500 रुपये प्रतिमाह देकर मरीजों के लिए पौष्टिक आहार की व्यवस्था की जाती है। कोई भी निक्षय मित्र 6 महीने से लेकर 3 साल तक के लिए एक या एक से अधिक मरीजों की मदद कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत केन्द्रीय कृषि मंत्री ने किसानों को फसल बीमा दावा राशि का किया भुगतान

इंदौर। केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा सोमवार को राजस्थान के झुंझुनू से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत फसल बीमा दावा राशि का भुगतान वर्चुअली किया गया। इस योजना के तहत इंदौर जिले के 68 हजार 758 किसानों को 42.92 करोड़ रूपये का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया गया। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत सांवेर विधानसभा क्षेत्र के 20850 किसानों के खातों में 16.45 करोड़ रूपये फसल बीमा दावा राशि का भुगतान किया गया। मंत्री श्री सिलावट ने फसल बीमा दावा राशि के त्वरित भुगतान के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उप संचालक कृषि इंदौर श्री सी.एल. केवड़ा ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत इंदौर जिले में रबी 2023-24 एवं खरीफ 2024 तथा रबी 2024-25 की फसल बीमा का 68 हजार 758 किसानों को 42.92 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया है। जिसमें सांवेर विधानसभा क्षेत्र के 20850 किसानों के खातों में 16.45 करोड़ रूपये के भुगतान के साथ ही जिले के देपालपुर विधानसभा क्षेत्र के 35406 कृषकों के खातों में 22.95 करोड़ रूपये, महू विधानसभा क्षेत्र के 1701 कृषकों के खातों में 1.85 करोड़ रूपये तथा राऊ विधानसभा क्षेत्र के कुल 3074 कृषकों के खातों में 1.67 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत किसानों को फसल बीमा दावा राशि का किया गया भुगतान

इंदौर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत फसल बीमा दावा राशि का भुगतान केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा राजस्थान के झुंझुनू से वर्चुअली किया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा दावा राशि वितरण का इंदौर जिले में जिला स्तरीय कार्यक्रम डॉ. अम्बेडकर नगर महू विधायक सुश्री ऊषा ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत इंदौर जिले में रबी वर्ष 2023-24 हेतु 40056 किसानों को 26.37 करोड़ रूपये फसल बीमा दावा राशि का भुगतान किया गया है। इसी तरह खरीफ वर्ष 2024 हेतु 1793 कृषकों को 1.31 करोड़ रूपये और रबी वर्ष 2024-25 के लिये 26909 किसानों को 15.24 करोड़ रूपये का भुगतान किया गया है। इस प्रकार जिले में 68 हजार 756 कृषकों के खातों में 42.92 करोड़ रूपये की राशि अंतरित की गई। जिला स्तरीय कार्यक्रम में विधायक सुश्री ऊषा ठाकुर द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा तथा स्वच्छता कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया गया। साथ ही कृषकों को तिरंगा वितरण किया गया। विभागीय अधिकारियों एवं कृषकों द्वारा कलेक्टर कार्यालय से उप संचालक कृषि कार्यालय तक तिरंगा यात्रा निकाली गई।

संभागायुक्त दीपक सिंह ने पार्षद अनवर कादरी को जारी किया कारण बताओ सूचना पत्र

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने वार्ड क्रमांक-58 के निगम पार्षद श्री अनवर कादरी को पार्षद पद से हटाये जाने के संबंध में प्रचलित कार्रवाई के तहत कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। संभागायुक्त द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र का लिखित प्रतिउत्तर 25 अगस्त 2025 को प्रातः 11 बजे संभाग आयुक्त न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दस्तावेजी साक्ष्य सहित समक्ष में तीन प्रतियों में प्रस्तुत करने के आदेश दिये गये हैं। सूचना पत्र में लेख किया गया है कि नियत दिनांक एवं समय पर समक्ष सुनवाई में स्वयं अथवा विधिक प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित रहकर लिखित प्रतिउत्तर प्रस्तुत नहीं करने की दशा में प्रकरण में विधि अनुसार एक पक्षीय आगामी कार्यवाही की जायेगी। उल्लेखनीय है कि महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव द्वारा विगत 20 जून 2025 को संभागायुक्त को आवश्यक दस्तावेजों सहित पत्र प्रेषित किया गया है, जिसमें पार्षद श्री अनवर कादरी को पार्षद पद से हटाने की कार्रवाई करने का लेख किया गया है। संलग्न किये गये दस्तावेज अनुसार श्री अनवर कादरी के विरूद्ध देशद्रोही एवं कई अपराधिक मामले थानो में दर्ज होकर, अपराधिक प्रवृत्ति का होना उल्लेख किया गया है। साथ ही लेख किया गया है कि श्री कादरी के विरूद्ध विभिन्न दैनिक समाचार पत्रों में खबरें प्रकाशित हुई है कि श्री कादरी द्वारा लव जिहाद को बढ़ावा देने के लिये एक सम्प्रदाय विशेष के युवकों को पैसा (फडिंग) दिया गया तथा लव जिहाद को बढ़ावा देने के लिये युवकों को प्रेरित किया गया। इसके अलावा पुलिस उपायुक्त, (मुख्यालय) नगरीय पुलिस इंदौर द्वारा भी संभागायुक्त को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार श्री अनवर कादरी के विरूद्ध विभिन्न थानों में अपराधिक मामले दर्ज होकर थाना बाणगंगा इंदौर में अपराध क्रमांक 799/2025 एवं 800/25 धारा 64, 64 (2) (एम) 351(3) बी.एन.एस. एवं 3/5 धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम का पंजीबद्ध होकर विचाराधीन है।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के तहत नागरिक वालंटियर कार्यक्रम से जुड़कर बन सकते हैं देशभक्ति के दूत

इंदौर। इंदौर जिले में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह अभियान नागरिकों की सहभागिता से व्यापक स्वरूप ले रहा है। इस अभियान के तहत कोई भी नागरिक वालंटियर कार्यक्रम से जुड़कर देशभक्ति के दूत बन सकते हैं। पंजीयत दूत को संस्कृति मंत्रालय का आधिकारिक प्रमाण पत्र मिलेगा। सबसे अधिक तस्वीरें अपलोड करने वाले शीर्ष एंबेसडर्स को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। एक वालंटियर के रूप में, पंजीयत वालंटियर्स देशभक्ति के स्तंभ बनकर घर-घर, स्कूलों और समुदायों को भारतीय ध्वज फहराने और एकता की भावना का गर्व से उत्सव मनाने के लिए प्रेरित करेंगे। संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में हर घर तिरंगा वालंटियर कार्यक्रम एक राष्ट्रव्यापी नागरिक-आधारित पहल है, जिसका उद्देश्य घर-घर, स्कूलों और समुदायों को भारतीय ध्वज फहराने तथा राष्ट्रीय एकता और गर्व का उत्सव मनाने के लिए प्रेरित करना है। एक वालंटियर के रूप में शामिल होकर प्रत्येक घर को तिरंगा फहराने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देंगे, राष्ट्रीय पहचान को मजबूत करने वाले ऐतिहासिक जन आंदोलन का हिस्सा बनेंगे और अपने योगदान के लिए संस्कृति मंत्रालय से मान्यता प्राप्त करेंगे। इस अभियान में वालंटियर अपने क्षेत्र में तिरंगे की प्रेरणादायक कहानियां साझा करना, भारत के ध्वज संहिता के अनुसार नागरिकों को ध्वज फहराने में सहयोग देना, पोर्टल पर तिरंगा सेल्फी अपलोड करने में लोगों की सहायता करना, डाकघर से झंडे क्रय कर उन्हें मोहल्लों व गांवों में वितरित करने के प्रमुख कार्यों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे।

इंदौर पुलिस ने बाईक पर सवार हो हाथों में तिरंगा थाम कर दिया देशभक्ति का संदेश

इंदौर। हमारे देश की आजादी के महापर्व स्वतंत्रता दिवस पर देश की आन-बान-शान के प्रतीक राष्ट्रध्वज तिरंगे को पूरे गौरव व सम्मान के साथ देशभर में हर घर पर फहराया जाए और स्वतंत्रता का ये महापर्व स्वच्छता का भी पर्व बनें इसी उद्देश्य से हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से नागरिकों को देशभक्ति की भावना से जोड़ने और उन्हें देश की आजादी व स्वच्छता के महत्व के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत आज इंदौर पुलिस ने अभिनव आयोजन करते हुए विशाल वाहन रैली निकाली। पुलिस जवानों ने बाईक पर सवार हो, हाथों में तिरंगा थाम कर देशभक्ति का संदेश दिया। उन्होंने राष्ट्रीय स्वाभिमान, अस्मिता और गौरव के प्रतीक तिरंगे को शान से अपने घरों पर फहराने का भी संदेश दिया। अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) श्री अमित सिंह व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव द्वारा हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता अभियान के सेल्फी पॉइंट का फीता काटकर शुभारंभ किया गया। तिरंगा बाइक रैली को भी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उक्त बाईक रैली में नगरीय इंदौर के डीसीपी, एडिशनल डीसीपी, एसीपी की उपस्थिति में कई थाना प्रभारियों सहित 500 से ज्यादा पुलिस कर्मियों व नगर सुरक्षा समिति सदस्यों ने अपने दो पहिया वाहनों पर और हाथ में तिरंगे थामकर देशभक्ति का संदेश दिया। पुलिस कमिश्नर कार्यालय पलासिया से राजवाड़ा तक ये जागरूकता रैली निकाली गई। नागरिकों को राष्ट्रीय स्वाभिमान, अस्मिता और गौरव के प्रतीक तिरंगे को स्वयं एवं अपने आसपास के लोगों के साथ मिलकर अपने घरों पर पूरे गर्व व सम्मान के साथ फहराएं जाने और पूरे हर्षोल्लास और स्वच्छता का संकल्प लेते हुए राष्ट्रीय पर्व मनाएं जाने के संबंध में जागरूक किया गया। उक्त तिरंगा यात्रा पलासिया से शुरू होकर, घंटाघर चौराहा, रीगल चौराहा होते हुए राजवाड़ा पर समाप्त हुई। इस दौरान सभी पुलिस कर्मियों ने देश प्रेम के नारों के साथ लोगों में देशभक्ति की भावना जागृत की।

इंदौर जिले में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान बन रहा है जनआंदोलन

गाँव से लेकर शहर, स्कूल से लेकर कॉलेज तक लगातार हो रहे हैं विभिन्न कार्यक्रम/गतिविधियां

इंदौर। इंदौर जिले में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है। जिले में गाँव से लेकर शहर, स्कूल से लेकर कॉलेज तक लगातार विभिन्न कार्यक्रम/ गतिविधियां हो रही हैं। समाज के हर वर्ग की सहभागिता से यह अभियान उल्लास और उमंग का बड़ा अवसर बन रहा है।

जिले में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में प्रथम चरण में विगत 2 अगस्त से 8 अगस्त 2025 तक सभी शासकीय विद्यालयों में प्रभावी कार्यक्रम आयोजित किये गए। इस दौरान तिरंगे पर केंद्रित चर्चाएं हुई। तिरंगा से प्रेरित रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। तिरंगा प्रदर्शनी आयोजित की गई। स्कूली बच्चों ने तिरंगे पर आधारित राखियां बनाई। विद्यालयों में तिरंगा पर प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। देश और तिरंगे तथा स्वच्छता के लिए अपनी सेवा देने के सम्बन्ध में शपथ दिलाई गई। देश के सैन्य बलों के जवानों द्वारा देश और तिरंगे के जज्बातों से बच्चों को अवगत कराया गया। छात्रों में राष्ट्र सेवा की भावना को जागृत किये जाने से सम्बंधित नुक्कड़ नाटक आयोजित किये गए। तिरंगे और देश के इतिहास के बारे में बच्चों को बताया गया।

अभियान के तहत द्वितीय चरण में 9 अगस्त से 12 अगस्त 2025 तक तिरंगा मेला, तिरंगा यात्रा, तिरंगा साइकिल रैली, तिरंगा के रूप में बच्चों की श्रृंखला का निर्माण, तिरंगा गान आदि कार्यक्रम हो रहे हैं।

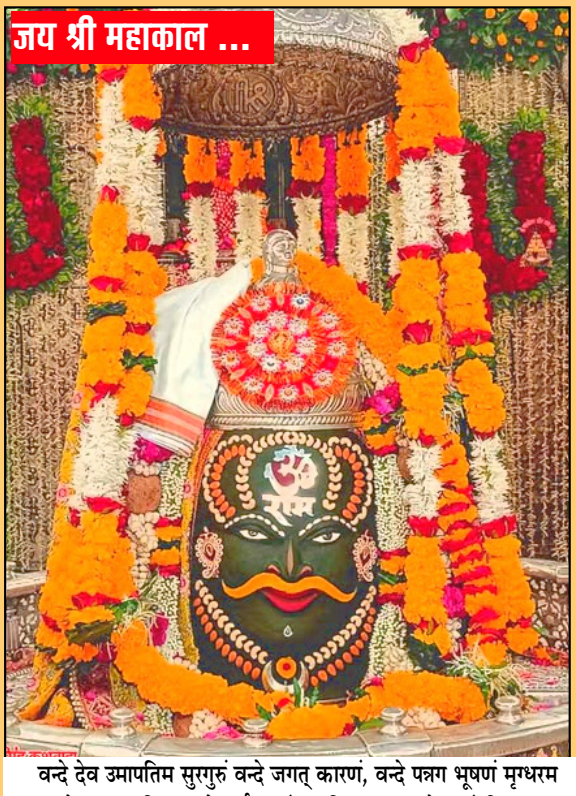

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

पार्षदगण द्वारा बताई जा रही समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए - आयुक्त अभिलाष मिश्रा

निगम आयुक्त ने किया वार्ड क्र. 5 एवं 8 की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

उज्जैन। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा मंगलवार को वार्ड क्रमांक 05 एवं 08 की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह, उपायुक्त योगेंद्र सिंह पटेल, संजेश गुप्ता, मनोज मौर्य, कार्यपालन यंत्री वैभव भावसार सहित अन्य अधिकारियों के साथ किया गया।

निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त द्वारा विभिन्न क्षेत्रों एवं गलियों में भ्रमण करते हुए सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया तथा क्षेत्रीय पार्षदों द्वारा बताई गई समस्याओं का तत्काल निराकरण करने हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश।

निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 05 के क्षेत्रीय पार्षद दिलीप परमार द्वारा निगम आयुक्त को बताया गया कि क्षेत्र में आवारा मवेशियों की बहुतायत समस्या है, चेम्बर्स की भी नियमित सफाई नहीं होती है, जिसके क्रम में निगम आयुक्त द्वारा संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया कि तत्काल पशु गैंग के माध्यम से पशु पकड़ने की कार्यवाही की जाए निर्देश के अनुपालन में पशु गैंग द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए 14 मवेशियों को पकड़ते हुए रत्नाखेड़ी गौ शाला भेजा गया।

वार्ड क्रमांक 8 के क्षेत्रीय पार्षद गजेंद्र हिरवे द्वारा निरीक्षण के दौरान बताया गया कि क्षेत्र में स्थित कृष्णा कॉलोनी की दो गलियों में सीवरेज की समस्या के कारण काफी समस्या हो रही है पेयजल सप्लाई के दौरान लाइन में गंदा पानी मिलता है जिससे क्षेत्र के नागरिकों को समस्या हो रही है आयुक्त द्वारा पीएचई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि टाटा के अधिकारियों को स्थल पर बुलाया जाकर समस्या का समाधान करवाते हुए क्षेत्रीय पार्षद को की गई कार्यवाही से अवगत करवाया जाए।

निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि शहर में सफाई व्यवस्था प्रातः 6:00 बजे से प्रारंभ होना चाहिए, जो कर्मचारी सुबह की शिफ्ट में आते हैं वे दोपहर में भी अपने निर्धारित समय पर कार्य स्थल पर उपस्थित रह कर सफाई कार्य सम्पादित करें, जो कर्मचारी दोपहर की शिफ्ट में नहीं आते हैं उनका वेतन काटने की कार्यवाही की जाए।

समग्र राजपूत सरदार आज मनाएंगे वीर दुर्गादास जयंती

महान योद्धा वीर दुर्गादास राठौड़ की मृत्यु उज्जैन में क्षिप्रा नदी के तट पर हुई थी

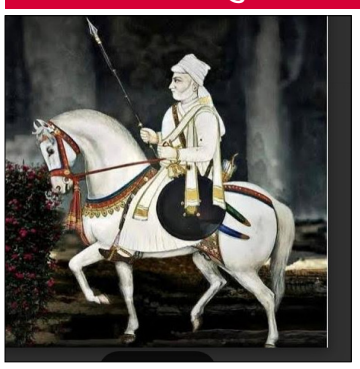

उज्जैन। मारवाड़ राज्य के राठौड राजपूत सेनापति रहे क्षत्रीय वीर दुर्गादास राठौड़ (13 अगस्त 1638- 22 नवंबर 1718) की 387वीं जयंति पर समग्र राजपूत सरदारों द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आज 13 अगस्त को प्रातः 9 बजे क्षिप्रा तट उज्जैन पर चक्रतीर्थ के समीप श्रद्धांजलि एवं पूजन अर्चन किया जायेगा।

कार्यक्रम संयोजक भरत सिंह हाड़ा ने बताया कि महान योद्धा वीर दुर्गादास राठौड़ की मृत्यु उज्जैन में क्षिप्रा नदी के तट पर हुई थी। लाल पत्थर से बनी उनकी छत्री आज भी चर्कतीर्थ के समीप उज्जैन में क्षिप्रा तट पर स्थित है, जो सभी राजपूत सरदारों एवं अन्य समाजों के लिए श्रद्धा का तीर्थ है। सभी राजपूत सरदारों व गणमान्य नागरिकों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहकर अपनी उपस्थिति दर्ज करायें तथा उनकी पुण्य स्मृति में श्रृद्धासुमन अर्पित करें।

भरत सिंह हाड़ा के अनुसार वीर दुर्गादास राठौड़ को 17वीं शताब्दी में महाराज जसवंत सिंह की मृत्यु के बाद मारवाड़ अंचल के अस्तित्व एवं विभिन्न छत्तीस-कौम को अक्षुण्ण बनाएं रखने का श्रेय दिया जाता है। ऐसा करने के लिए उन्हें मुगल बादशाह औरंगजेब की अवहेलना करनी पड़ी थीं। दुर्गादास राठौड़ ने ऐतिहासिक युद्ध (1679-1707) के दौरान राठौड़ सेना की कमान संभाली और 1708-1710 के राजपूत विद्रोह में प्रमुख भूमिका निभाई, जो मुगल साम्राज्य के पतन का एक मुख्य कारण बन गया। उन्हें जयपुर के राजा जयसिंह द्वितीय के साथ विद्रोह का नेता चुना गया था। उन्होंने मुगलों के खिलाफ कई जीत हासिल की ओर कई मुगल अधिकारियों को उन्हे श्रद्धांजली देने के लिए मजबूर किया। उन्होंने औरंगजेब की मुगल सेना द्वारा नष्ट किए गए बड़ी संख्या में मंदिरों का पुनर्निमाण किया।

लाइब्रेरी एवं लाइब्रेरी साइंस विभाग परिसर में किया वृक्षारोपण

उज्जैन। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 12 अगस्त को यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट, विक्रम विश्विद्यालय उज्जैन की एन.सी.सी. इकाई द्वारा लाइब्रेरी एवं लाइब्रेरी साइंस विभाग परिसर, विक्रम विश्विद्यालय में वृक्षारोपण किया गया।

कैप्टन कनिया मेड़ा एन.सी.सी. अधिकारी द्वारा आयोजित एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में प्रो. अर्पण भारद्वाज कुलगुरु विक्रम विश्विद्यालय उज्जैन, प्रो. अनिल जैन पुस्तकालय, डॉ. राज बोरिया विभागाध्यक्ष, लाइब्रेरी साइंस, एन. सी. सी. कैडेट्स द्वारा वृक्षारोपण किया गया है।

समग्र स्वास्तिक परिवार ने अच्छी वर्षा के लिये किया स्वास्तिक हवन

बाबा महाकाल से अवंतिका नगरी को जलसंकट से मुक्त करने की प्रार्थना

उज्जैन। समग्र स्वास्तिक परिवार द्वारा अवधेश धाम आश्रम में स्वास्तिक हवन कर महाकाल से अच्छी वर्षा हेतु प्रार्थना की।

संस्थापक अध्यक्ष शिवम गुरु ने बताया कि अवंतिका नगरी में जलसंकट गहराता जा रहा है। ऐसे में आश्रम में अच्छी वर्षा की कामना को लेकर हवन किया गया। मुख्य यजमान अजय मालवीय, समग्र स्वास्तिक परिवार के सदस्य विजय गिरी गोस्वामी, पप्पू चौहान, राजेश राठौर, श्याम गोठी, संदीपा गोस्वामी एवं सभी लोगों ने मिलकर अच्छी वर्षा हेतु बाबा महाकाल से प्रार्थना की। हवन आचार्य पंडित हरिओम दुबे, पंडित सूर्यकांत ने सम्पन्न कराया।

सेवानिवृत्त होने के बाद पंचायत सचिवों की समस्याओं का समाधान नहीं कर रही सरकारें

उज्जैन। मध्यप्रदेश सेवा निवृत्त पंचायत सचिव संगठन की बैठक उज्जैन में हुई। जिसमें संपूर्ण मध्यप्रदेश से बड़ी संख्या में कार्यकारिणी सदस्य, पदाधिकारी उपस्थित हुए। बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

प्रदेश अध्यक्ष सदाशिव शर्मा ने बताया कि पंचायत सचिवों ने शासकीय कार्यों को बेहतर और अच्छे से किया है। अपनी जिम्मेदारी को बेहतर तरीके से निभाया है। राज्य सरकार, केंद्र सरकार के साथ योजनाओं के कामों का बेहतर और अच्छे से पूर्ण किया गया है। शासकीय नियम निर्देश के अनुसार और वर्षों वर्ष तक संपूर्ण मध्य प्रदेश में पंचायत सचिवों ने अपने-अपने शासकीय ऑफिसों पर उपस्थित होकर शासकीय कार्य और कामों को पूर्ण किया है। पर सेवा निवृत्त होने के बाद राज्य सरकार और केंद्र सरकार सेवानिवृत्त पंचायत सचिवों की समस्या और परेशानी का समाधान नहीं कर रही और पंचायत सचिव बेहद परेशान तंगहाल होकर अपना जीवन गुजर बसर कर रहे हैं। बैठक के दौरान मांग उठी कि सेवा निवृत्त पंचायत सचिवों को राज्य सरकार केंद्र सरकार सुविधाओं का लाभ दें और उनकी समस्या परेशानी का समाधान करें। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष सदाशिव शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष हरीश सिंह राजपूत, प्रदेश सचिव शंकरलाल सिसोदिया, संरक्षक सत्यनारायण शर्मा, कोषाध्यक्ष मनीष सिंह राठौड़, सहसचिव प्राण सिंह लोधी सहित कार्यकारिणी सदस्य, पदाधिकारी उपस्थित हुए।

विदेशी कम्पनियों के विरूद्ध स्वदेशी जागरण मंच हुआ मुखर

उज्जैन। स्वदेशी जागरण मंच मालवा प्रांत उज्जैन इकाई द्वारा स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलम्बन अभियान के अंतर्गत विदेशी कम्पनी भारत छोड़ो कार्यक्रम दिनांक 13 अगस्त 2025 को आयोजित किया जा रहा है। प्रांत सह संयोजक दिलीपसिंह चौहान के अनुसार इस कार्यक्रम के अंतर्गत 13 अगस्त बुधवार को संध्या 6.30 बजे स्थानीय टॉवर चौक, उज्जैन पर विदेशी कम्पनियों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए स्थानीय दुकानदारों से सामान खरीदने, स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग तथा विदेशी कम्पनियों के बहिष्कार हेतु आमजन को संकल्प दिलाया जायेगा। कार्यक्रम के समापन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के द्वारा भारत में विदेशी कम्पनियों को बढ़ावा देने के विरूद्ध विरोध प्रदर्शन करते हुए भारत पर 50 प्रतिशत टेरिफ आरोपित करने के चलते विदेशी कम्पनियों का पुतला दहन किया जायेगा।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता : स्वतंत्रता का उत्सव मनाया स्वच्छता के संग

छात्राओं ने साफ-सफाई कर चारों ओर बिखरा कचरा एकत्र कर निस्तारित किया

उज्जैन। स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग÷ अभियान के तहत शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय प्रांगण में स्वच्छता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। एनएसएस और एनसीसी की स्वयंसेवक छात्राओं ने प्रभारी मीरा यादव एवं मधुबाला राठौर के सानिध्य में महाविद्यालय परिसर की साफ-सफाई की और चारों ओर बिखरा कचरा एकत्र कर निस्तारित किया।

स्वच्छता अभियान के उपरांत प्राचार्य डॉ. वंदना गुप्ता के मार्गदर्शन में स्थापित सेल्फी प्वाइंट पर सभी छात्राओं और स्टाफ सदस्यों ने तिरंगे के साथ सेल्फी खिंचवाई तथा क्यूआर कोड स्कैन कर प्रमाणपत्र प्राप्त किए।

कार्यक्रम संयोजक डॉ. कविता जैन मंगलम ने जानकारी दी कि हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के तहत 11 अगस्त से 14 अगस्त तक प्रतिदिन छात्राओं और स्टाफ सदस्यों के पंजीयन के साथ विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसमें तिरंगा राखी प्रतियोगिता, तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता तथा तिरंगा रैली का आयोजन भी किया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अजय भार्गव, डॉ. मनीष परमार, डॉ. आनंद सिंदल, डॉ. अंजना जायसवाल, डॉ. रूपा भावसार, इंदु बंसल, भावना नागर सहित बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com